M.A.Previous Hindi
Annual Scheme 2023

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2023

वार्षिक

इस वार्षिक परीक्षा में चार लिखित प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा। कुल पूर्णांक 400 होंगे।

प्रथम प्रश्न–पत्र	: आधुनिक काव्य
द्वितीय प्रश्न–पत्र	: गद्य साहित्य
तृतीय प्रश्न–पत्र	: काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	: हिन्दी साहित्य का इतिहास

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्शिक पद्धति)
प्रथम प्रश्न–पत्र
आधुनिक काव्य

इकाई 1 : **साकेत** –मैथिलीशरण गुप्त (निर्धारित काव्यांश–नवम सर्ग)
कामायनी –जयशंकर प्रसाद (निर्धारित सर्ग–चिंता, श्रद्धा, लज्जा और इड़ा), भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद

इकाई 2 : **राग–विराग** –निराला– (सं.) रामविलास शर्मा (निर्धारित कविताएँ–राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति), लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि –अज्ञेय–(सं.) विद्यानिवास मिश्र (निर्धारित कविताएँ–बावरा अहेरी, शब्द और सत्य, हिरोशिमा, सोनमछली, टेसू, नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

इकाई 3 : **चाँद का मुँह टेढ़ा है** –मुक्तिबोध (निर्धारित कविता–अँधेरे में), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ (सं.) नामवरसिंह (निर्धारित कविताएँ–प्रतिबद्ध हूँ, तन गयी रीढ़, खुरदरे पैर, यह तुम थी, बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद, मेरी भी आभा है इसमें, फसल, प्रेत का बयान, सत्य), राजकमल प्रकाशन दिल्ली

इकाई 4 : **द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि**–1. श्रीधर पाठक, 2. सुभद्राकुमारी चौहान, 3. महादेवी वर्मा, 4. नरे ा मेहता, 5. कुँवर नारायण

इकाई 5 : **द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि**–1. धूमिल, 2. दुष्यन्त कुमार, 3. अशोक वाजपेयी, 4. चंद्रकांत देवताले, 5. लीलाधर जगूड़ी

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

साकेत : एक अध्ययन : नगेन्द्र
कामायनी का पुनर्मूल्यांकन : रामस्वरूप चतुर्वेदी
निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
अज्ञेय की कविता : चन्द्रकान्त बांदिवडेकर
गजानन माधव मुक्तिबोध : लक्ष्मण दत्त गौतम
कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
महादेवी का काव्य सौष्ठव : कुमार विमल
सुमित्रानन्दन पंत : नगेन्द्र
उत्तरशती के श्रेष्ठ हिन्दी कवि : संपा. लालचन्द गुप्त
युग चारण दिनकर : सावित्री सिन्हा
निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
फिलहाल : अशोक वाजपेयी
छायावाद में यथार्थ तत्त्व : छोटाराम कुम्हार
कविता की राह : कौशलनाथ उपाध्याय
नागार्जुन : सत्यनारायण

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक पद्धति)
द्वितीय प्रश्न–पत्र
गद्य साहित्य

इकाई– 1 **निबंध** – भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है (भारतेन्दु हरिश्चंद्र), शिवशंभु के चिट्ठे (बालकृष्ण भट्ट), मजदूरी और प्रेम (अध्यापक पूर्ण सिंह), कविता क्या है ? (रामचंद्र शुक्ल), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी), तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य (रामविलास शर्मा), हल्दी, दूब और दधि अक्षत (विद्यानिवास मिश्र), उत्तर फाल्गुनी के आस–पास (कुबेरनाथ राय)–कुल सात

इकाई –2 **गोदान**– प्रेमचंद, मैला आँचल– फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई–3 एक टोकरी भर मिट्टी, उसने कहा था, राही, कफन, आका ादीप, अपना–अपना भाग्य, तीसरी कसम, गैंग्रीन, चीफ की दावत, परिंदे = कुल 10

इकाई–4 **द्रुतपाठ : निबंधकार**–भारतेंदु हरि ाचन्द्र, बालमुकुंद गुप्त, प्रतापनारायण मिश्र, नाटककार– जय ांकर प्रसाद, लक्ष्मीनारायण मिश्र, जीवनी–अमृतराय,

इकाई–5 **उपन्यासकार**–जैनेंद्र , अमृतलाल नागर, कहानीकार–अमरकांत, विष्णु प्रभाकर, आत्मकथाकार – हरिवंशराय बच्चन

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित रचनाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों / कृतिकारों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

प्रसाद : नाट्य और रंगशिल्प : गोविन्द चातक
मोहन राकेश का नाट्य साहित्य : पुष्पा बंसल
गोदान : अध्ययन की समस्याएँ : गोपालराय
हिन्दी निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा
कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
महादेवी का गद्य : सूर्यप्रसाद दीक्षित
हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन : एस.एन. गणेशन
हिन्दी कहानी : समीक्षा और सन्दर्भ : विवेकी राय
हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
हिन्दी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
कहानी का वर्तमान : कौशलनाथ उपाध्याय
फणीश्वरनाथ रेणु का कथा संसार : सूरज पालीवाल
महादेवी वर्मा : सं. परमानन्द श्रीवास्तव
प्रेमचन्द का कहानी साहित्य (चरित्र चित्रण के विविध आयाम) : श्रवणकुमार मीणा
प्रेमचन्द और भारतीय किसान : रामबक्ष
फणीश्वरनाथ रेणु का कथा शिल्प : रेणु शाह

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक पद्धति)
तृतीय प्रश्न–पत्र
काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

इकाई 1 : **भारतीय काव्य चिंतन**– परंपरा का एतिहासिक विकास एवं काव्य चिंतन के प्रमुख अवधारणात्मक पद, कवि समय ।

संस्कृत काव्यशास्त्र–काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार ।

रस–सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति,साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

अलंकार–सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई 2 : **रीति सिद्धान्त** : रीति की अवधारणा, रीति–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ ।

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनिकाव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्रकाव्य।

औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद ।

इकाई 3 : **पाश्चात्य चिन्तक**–

अरस्तू–अनुकरण और विरेचन सिद्धान्त।

लोंजाइनस–उदात्त की अवधारणा।

वर्ड्सवर्थ–काव्यभाषा का सिद्धान्त।

कॉलरिज–कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना।

टी.एस.इलियट–परम्परा की परिकल्पना, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण।

आई.ए.रिचर्ड्स–रागात्मक अर्थ, संवेगों का सन्तुलन, व्यावहारिक आलोचना ।

इकाई 4 : **सिद्धान्त और वाद** –– स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

इकाई 5 : **हिन्दी काव्यशास्त्र और आलोचना**–

लक्षण–काव्य परम्परा, रीतिकालीन कवि–आचार्यों–केशव, चिन्तामणि, देव, भिखारीदास का काव्यशास्त्रीय चिंतन।

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ–शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय ।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय
भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे
रस–मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल
रस–सिद्धान्त : स्वरूप विश्लेषण : आनन्दप्रकाश दीक्षित
पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : शान्तिस्वरूप गुप्त
भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य चिन्तन : सभापति मिश्र
हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र
आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
भारतीय काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक पद्धति)

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

इकाई 1 : इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ। हिन्दी साहित्य का इतिहास–काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण। आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, रासो काव्य, आदिकालीन काव्यरूप, अब्दुर्रहमान, अमीर खुसरो एवं विद्यापति का योगदान, हिन्दी साहित्य के विकास में राजस्थान का योगदान।

इकाई 2 : पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन। प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और काव्य–प्रवृत्तियाँ। भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य–प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व। रामकाव्य–परम्परा और तुलसीदास। कृष्णकाव्य–परम्परा तथा प्रमुख कवियों का रचनागत वैशिष्ट्य। राम–कृष्ण काव्येतर भक्तिकाव्य। भक्तोतर काव्य।

इकाई 3 : उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकालीन कवियों की जीवन दृष्टि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि और काव्य, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, रीतिकाल की अवान्तर काव्य धाराएँ–भक्ति, वीर और नीति काव्य।

इकाई 4 : 1857 ई. की राज्यक्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण। आधुनिक काव्य–भारतेन्दु युग–प्रमुख कवि और काव्यगत विशेषताएँ। द्विवेदी युग–प्रमुख कवि और काव्यगत वैशिष्ट्य। राष्ट्रीय काव्यधारा और उसके प्रमुख कवि। छायावाद, उत्तर छायावादी काव्य, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

इकाई 5 : हिन्दी गद्य का उद्‌भव तथा विकास, हिन्दी उपन्यास–विकास के प्रमुख चरण, हिन्दी कहानी का विकास और प्रमुख कहानी आन्दोलन, हिन्दी निबन्ध का विकास, हिन्दी नाटक–विकास के चरण, हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास। हिन्दी गद्य की अन्य विधाओं–एकांकी, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा की विकास–यात्रा। दलित लेखन, स्त्री लेखन। हिन्दीतर क्षेत्रों में हिन्दी भाषा और साहित्य।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।
(शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

साहित्य का इतिहास–दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप : सुमन राजे
हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास : किशोरीलाल गुप्त
हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी साहित्य सुबोध इतिहास : .हरिराम पाठक
हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाब राय
भक्ति–आन्दोलन और लोकसंस्कृति : कुँवरपाल सिंह
दलित साहित्य आन्दोलन : चन्द्र कुमार वरठे
स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपतिचन्द्र गुप्त
स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य : के.एम. मालती
हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा–पूर्णदास
दलित साहित्य और समसामयिक सन्दर्भ : श्रवणकुमार मीणा
साहित्यालोचन : विविध रंग – रेणु शाह

M.A.Final Hindi
Annual Scheme 2023

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023

वार्षिक

इस वार्षिक परीक्षा में पाँच लिखित प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा। पूर्णांक 500 होंगे।

<u>अनिवार्य प्र न–पत्र :</u>

प्रथम प्रश्न–पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
द्वितीय प्रश्न–पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
तृतीय प्रश्न–पत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी

<u>वैकल्पिक प्र न–पत्र :</u>

<u>चतुर्थ प्र न–पत्र : वैकल्पिक प्र न–पत्र (कोई एक)</u>

(क) भक्तिकाल
(ख) छायावादोत्तर काव्य
(ग) हिन्दी उपन्यास

<u>पंचम प्र न–पत्र : वैकल्पिक प्र न–पत्र (कोई एक)</u>

(क) लोक साहित्य
(ख) भारतीय साहित्य
(ग) नवविम

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक)

प्रथम प्रश्न–पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई–1 पृथ्वीराज रासो 27वाँ समय, रेवा तट–सं. विपिन बिहारी त्रिवेदी
विद्यापति की पदावली सं. नरेन्द्र झा, लोक भारती प्रका न, इलाहाबाद पद सं. (1–25) ।

इकाई–2 कबीर सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, पद संख्या (160–209) ।
पद्मावत–जायसी सं. रामचंद्र भुक्ल, निर्धारित अं ।–नागमती वियोग खण्ड

इकाई–3 भ्रमरगीत सार– सूरदास सं. रामचंद्र भुक्ल, (निर्धारित अं ।– पद संख्या 21 से 70 तक रामचरित मानस – तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर (निर्धारित अं ।– उत्तरकांड, दोहा संख्या 36 से 56 तक) ।

इकाई–4 द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि –1, सरहपाद 2. गोरखनाथ 3. हेमचंद्र 4.विद्यापति 5.अमीर खुसरो ।

इकाई पाँच : द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि –1 मीराबाई 2. रहीम 3. रसखान 4. के ावदास 5. गुरु गोविंद सिंह ।

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (ाब्द सीमा 30 भाब्द)10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (ाब्द सीमा 250 भब्द)5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों /कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (ाब्द सीमा 500 भब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

पृथ्वीराज रासो की भाषा : नामवरसिंह
कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
जायसी ग्रंथावली (भूमिका) : रामचन्द्र भाुक्ल
सूर और उनका साहित्य : हरवं ालाल भर्मा
तुलसीकाव्य मीमांसा : उदयभानुसिंह
घनानन्द काव्यवैभव : मनोहरलाल गौड़
सिद्ध–साहित्य : धर्मवीर भारती
नाथ सम्प्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी
विद्यापति : ि ाव प्रसाद सिंह
मीरा : जीवन और काव्य : सी.एल. प्रभात
रसखान और उनका काव्य : चन्द्र `खर पाण्डेय
के ाव की काव्य चेतना : विजयपाल सिंह
बिहारी : विश्वनाथप्रसाद मिश्र

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई 1 : भाषा और भाषा विज्ञान–भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण।
भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अंग, अध्ययन की दि ााएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई 2 स्वन प्रक्रिया–स्वन एवं ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, स्वन एवं स्वनिम की अवधारणा, वाग्यंत्र और उनके कार्य, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दि ााएँ। स्फोट एवं ध्वनि। रूप प्रक्रिया का स्वरूप और भााखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद–मुक्त–आबद्ध, अर्थद ीी और सम्बन्धद ीी, सम्बन्ध द ीी रूपिम के भेद और प्रकार्य।

इकाई 3 : वाक्य की अवधारणा, वाक्य–परिवर्तन के कारण और दि ााएँ, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव–विश्लेषण, गहन–संरचना और बाह्य संरचना।
अर्थ–विज्ञान–अर्थ की अवधारणा, भाब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ–परिवर्तन के कारण और दि ााएँ।

इकाई 4 : हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी वि ोषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ–पालि, प्राकृत तथा अपभ्रं ा और उनकी वि ोषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार–हिन्दी की उपभाषाएँ–पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।

इकाई 5 : हिन्दी का भाषिक स्वरूप–हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खण्ड्य, खण्ड्येतर। हिन्दी भाब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, वि लेषण और क्रिया–रूप। हिन्दी वाक्य–रचना–पदक्रम और अन्विति। देवनागरी लिपि–उद्भव और विकास, वि ोषताएँ।

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (ब्द सीमा 30 भब्द)
10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से एक–एक विकल्प सहित (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (ब्द सीमा 250 भब्द)
5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (ब्द सीमा 500 भब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>**सहायक पुस्तकें**</u>–

भाषा (ब्लूमफील्ड) : (अनु.) विश्वनाथ प्रसाद
भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ भर्मा
भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि भर्मा
हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी
भाषा और हिन्दी भाषा का इतिहास : नरे ा मिश्र
हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
भाषा का समाज ाास्त्र : राजेन्द्र प्रसाद सिंह

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023
तृतीय प्रश्न–पत्र
प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई 1 – प्रयोजनमूलक हिन्दी से अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति। हिन्दी के विविध रूप – सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा। हिन्दी की सांवैधानिक स्थिति – अनुच्छेद 343 से 351, राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा सं ोधित 1967), राजभाषा संकल्प 1968 (यथानुमोदित 1991), राजभाषा नियम 1976 । हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

इकाई 2 – कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूपण– पत्रलेखन , टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन। पारिभाषिक भाब्दावली – स्वरूप एवं महत्त्व, पारिभाषिक भाब्दावली निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालयी एवं प्र ासनिक भाब्दावली, प्र ासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग।

इकाई 3 – हिन्दी में माध्यमोपयोगी लेखन – मुद्रित माध्यम (समाचार पत्र)– समाचार लेखन। श्रव्य माध्यम (रेडियो) – समाचार लेखन एवं वाचन, उद्घोषणा लेखन, रेडियो नाटक। दृ य – श्रव्य माध्यम (टेलीविजन) –दृ य एंव श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पा र्व वाचन (वायस ओवर), साहित्य की विधाओं का द य माध्यमों में रूपान्तरण। विज्ञापन लेखन। न्यू मीडिया लेखन ।

इकाई 4 – हिन्दी कम्प्यूटिंग – कम्प्यूटर– परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र। वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग,फॉण्ट प्रबन्धन।
इंटरनेट–सम्पर्क उपकरणों का परिचय,वेब पब्लि ंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग व अपलोडिंग। हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज। हिन्दी कम्प्यूटर टाइप की विधियाँ ।

इकाई 5 – अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र , प्रक्रिया एवं परिधि। कार्यालयी अनुवाद। वैज्ञानिक अनुवाद। विधिक अनुवाद। वाणिज्यिक अनुवाद। पुनरीक्षण (वैट्टिंग)। आ ु अनुवाद।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो– दो (कुल दस) लघूत्तरी प्र न
(ाब्द सीमा 30 भब्द) 10X 2= 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्र न
(ाब्द सीमा 250 भब्द) 5X 7= 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक (कुल पाँच) आलोचनात्मक प्र न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (ाब्द सीमा 500 भब्द) 3X 15= 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

प्रयोजनमूलक हिन्दी – नसीम–ए–आजाद
प्रयोजनपरक हिन्दी – विजय कुलश्रेष्ठ
प्र ासन में राजभाषा हिन्दी – कैला ाचन्द्र भाटिया
प्र ासनिक भब्दावली (अंग्रेजी–हिन्दी) – वैज्ञानिक तथा तकनीकी भब्दावली आयोग, नई दिल्ली
मीडिया लेखन और जनसंचार – मुश्ताक अली
कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
अनुवाद : समस्याएँ और संदर्भ – गजानन चह्वाण
अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – सुरे कुमार

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक)
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(क) भक्तिकाल

इकाई 1 : **रैदास जी की बानी**–बेलवीडियर प्रिण्टिंग वर्क्स, इलाहाबाद (निर्धारित अं ा–प्रथम 25 पद) ।
मधुमालती–मंझन, (सं.) माताप्रसाद गुप्त (निर्धारित अं ा–छन्द संख्या 26 से 50 तक) ।

इकाई 2 : **रास पंचाध्यायी**–नन्ददास, (सं.) उदयनारायण तिवारी (निर्धारित अं ा–द्वितीय अध्याय)
रामचन्द्रिका–के ावदास, (सं.) लाला भगवानदीन (निर्धारित अं ा–सातवाँ प्रका)

इकाई 3 : **मीराँ मुक्तावली**–(सं.) नरोत्तमदास स्वामी (निर्धारित अं ा–प्रथम 25 पद)
रसखानि–(सं.) विश्वनाथप्रसाद मिश्र (निर्धारित अं ा–प्रारम्भ के 25 छन्द)

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. कबीर 2. दादू 3. सुन्दरदास 4. सहजोबाई 5. मुल्ला दाउद

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. जायसी 2. सूरदास 3. हित हरिवं ा 4. तुलसीदास 5. गुरु नानकदेव

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (ाब्द सीमा 30 भाब्द)
10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो)
टिप्पणीपरक प्रश्न (ाब्द सीमा 250 भाब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।
(ाब्द सीमा 500 भाब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

भक्ति का विकास : मुं ाीराम भार्मा
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
भक्तिकाल की सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना : प्रेम ांकर
वैष्णव भक्ति आन्दोलन का अध्ययन : मलिक मोहम्मद
नन्ददास : विचारक, रसिक, कलाकार : रूपनारायण
के ाव की काव्यकला : कृष्ण ांकर भाुक्ल
मीराँ : जीवनवृत्त एवं काव्य : कल्याणसिंह भोखावत
कबीर : एक नई दृष्टि : रघुवं ा
सूरदास : मैनेजर पाण्डेय
गोसाईं तुलसीदास : विश्वनाथप्रसाद मिश्र
मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य : ि ावसहाय पाठक
संत दादू और उनका काव्य : भगवत मिश्र
सुन्दरदास : त्रिलोकीनारायण दीक्षित

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक)

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ख) राष्ट्रीय काव्यधारा

इकाई एक (अ) **वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य –**

(1)चंदरबरदाई– पृथ्वीराज रासों के रेवा तट समय के अं ा (चढ़तराज पृथिराज)।

(2) जगनिक–आल्हा खण्ड/आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पाँच सुमिरन अं ा) ।

(ब) **भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य –**

(1) गुरू गोविन्द सिंह– देहु ि ावा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो

(2) भूषण– इन्द्र जिमि जम्भ पर, बान फहराने,निकसत म्यान तें मयुखें

इकाई II **भारतेन्दु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य**

(1) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – उन्नतचितहवैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौ ाल अमित ।

(2) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' –कर्मवीर, जन्मभूमि ।

(3) मैथिली रण गुप्त– आर्य, मातृभूमि ।

इकाई III **छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य –**

(1) जय ंकर प्रसाद– प्रयाण गीत (हिमाद्री तुंग श्रृंग) अरूण यह मधुमय दे हमारा ।

(2) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – भारती वंदन (भारती जय विजय करे), जागो फिर एक बार ।

(3) माखनलाल चतुर्वेदी– पुष्प की अभिलाषा, जवानी ।

(4) सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी ।

इकाई IV **छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य –**

(1) बालकृष्ण भार्मा नवीन – कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है ।

(2) रामधारी सिंह 'दिनकर' – भाहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय ।

(3) गोपाल प्रसाद व्यास– खूनी हस्ताक्षर, भाहीदों में तू नाम लिखा लेरे ।

इकाई V **समकालीन राष्ट्रीय काव्य –**

(1) सोहनलाल द्विवेदी – मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में)

(2) हिन्दी फिल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य :

(i) कवि प्रदीप – ऐ मेरे वतन के लोगों,

(ii) गोपालदास नीरज – ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला–1961)

(iii) इंदीवर– है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिम – 1971)

(iv) गुल ान बावरा– मेरे दे ा की धरती सोना उगले (उपकार : 1967)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (ाब्द सीमा 30 भब्द)10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (ाब्द सीमा 250 भाब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।

(ाब्द सीमा 500 भाब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें– वीर काव्य, उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार, प्रयाग प्रथम संस्करण – सं. 2005

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक)

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ग) हिन्दी उपन्यास

इकाई 1 : **बाणभट्ट की आत्मकथा**–हजारीप्रसाद द्विवेदी।
मृगनयनी–वृन्दावनलाल वर्मा।

इकाई 2 : **भखर एक जीवनी** (भाग 1 व 2)–अज्ञेय।
तमस–भीष्म साहनी।`

इकाई 3 : **कब तक पुकारूँ**–रांगेय राघव।
आपका बंटी–मन्नू भंडारी।

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित उपन्यासकार**– 1. लाला श्रीनिवासदास 2. प्रेमचन्द 3.चतुरसेन भास्त्री 4. भगवतीचरण वर्मा 5. अमृतलाल नागर।

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित उपन्यासकार**– 1. श्रीलाल भाुक्ल 2. ि वप्रसाद सिंह 3. राही मासूम रजा 4. कृष्णा सोबती 5. चित्रा मुद्‌गल।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (ाब्द सीमा 30 भाब्द)
10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित उपन्यासों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित उपन्यासकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (ाब्द सीमा 250 भब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित उपन्यासों/उपन्यासकारों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।
(ाब्द सीमा 500 भब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

उपन्यास का स्वरूप : सुषमा प्रियदर् िनी

हिन्दी उपन्यास : बदलते संदर्भ : भाि भूषण सिंहल
हिन्दी के आंचलिक उपन्यास : सिद्धान्त और समीक्षा : बं ीधर
अज्ञेय की उपन्यास यात्रा : अरविन्दाक्षन
प्रेमचन्द की भाषा : कौ ालनाथ उपाध्याय
हिन्दी उपन्यास : संबंधों के विविध आयाम : श्रवणकुमार मीणा

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक)
पंचम प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

नोट : निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न–पत्र का चयन करना होगा।

(क) लोकसाहित्य

इकाई 1 : लोक और लोकवार्ता, लोकमानस और लोकतत्त्व। लोकसंस्कृति–अवधारणा, लोकवार्ता और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।
लोकसाहित्य–अवधारणा, लोकसाहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध। लोक साहित्य के वि ष्ट अध्येता। लोकसाहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ, लोक साहित्य के अध्ययन के सम्प्रदाय–पाश्चात्य एवं भारतीय।

इकाई 2 : लोकसाहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण–लोकगीत, लोक–नाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकोक्ति साहित्य–परिभाषा एवं वर्गीकरण।
लोकगीत–संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत।
लोकनाट्य–रामलीला, स्वांग, यक्षगान, भवाई, माच, तमा ा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।

इकाई 3 : लोककथा–व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा। कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय, लोककथा निर्माण में अभिप्राय (MOTIF)।
लोकगाथा–लोकगाथा की भारतीय परम्परा, लोकगाथा की सामान्य प्रवृत्तियाँ, लोकगाथा प्रस्तुति, प्रसिद्ध लोकगाथाएँ–ढोला–मारू, गोपीचन्द–भरथरी, लोरिकायन, नल–दमयन्ती, लैला–मजनूँ, हीर–राँझा, सोहनी–महीवाल।
लोकोक्ति साहित्य–पहेलियाँ, कहावतें।

इकाई 4 : राजस्थानी लोकगीत–वर्गीकरण एवं प्रतिपाद्य, राजस्थानी लोकगीतों में निरूपित संस्कृति।
राजस्थानी लोककथा–वर्गीकरण, छोगे एवं बात बणाव।
राजस्थानी लोकगाथा–वर्गीकरण, प्रमुख लोकगाथाओं–पाबूजी री पड़, बगड़ावत, वीर तेजा, भारत का परिचय।

इकाई 5 : राजस्थानी लोकनाट्य–विविध रूपों–ख्याल, तमा ा, स्वाँग, नौटंकी, तुर्राकलंगी, रम्मत का परिचयात्मक अध्ययन।
राजस्थानी लोकनृत्य–घूमर, अग्निनृत्य, चरीनृत्य, तेराताली, डाण्डिया–गेर।
राजस्थानी लोकवाद्य।
राजस्थानी लोक कलाएँ–माण्डणा, मेहँदी, पटचित्र, भित्तिचित्र।
राजस्थानी लोकोत्सव।
राजस्थानी लोक–संस्कृति का स्वरूप एवं वै ष्ट्य।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (ाब्द सीमा 30 भाब्द) 10 X 2 = 20 अंक
खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (ाब्द सीमा 250 भब्द) 5 X 7 = 35 अंक
खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जाएगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।
(ाब्द सीमा 500 भब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

लोकसाहित्य विज्ञान : सत्येन्द्र
लोकसाहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय
लोकसाहित्य का अध्ययन : त्रिलोचन पाण्डेय
लोकधर्मी नाट्य परम्परा : श्याम परमार
भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा : दुर्गा भागवत
हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी (16वाँ खण्ड)
संस्कृति के चार अध्याय : रामधारीसिंह 'दिनकर'
राजस्थानी लोकसाहित्य के अध्ययन के आयाम : रामप्रसाद दाधीच
राजस्थानी लोकगाथा : एक अध्ययन : कृष्ण कुमार भार्मा
राजस्थानी लोकसाहित्य : नानूराम संस्कर्ता
लोकगीत की सत्ता : सुरे ा गौतम

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक)
पंचम प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ख) भारतीय साहित्य

इकाई 1 : **पांचाली भपथम्** (खंडकाव्य–तमिल)–सुब्रह्मण्य भारती, रूपांतरकार –नागेश्वर सुन्दरम्, विश्वनाथ सिंह 'वि वासी', ग्रंथ सदन, दिल्ली, प्रथम संस्करण–2007

ख्वाब का दर बन्द है (काव्य– उर्दू) – भहरयार, निर्धारित अं   (केवल ग़ज़ल) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण–1996

इकाई 2 : **अग्निगर्भ** (उपन्यास–बंगला) – महाश्वेता देवी, राधाकृष्ण प्रका ान, दिल्ली, दूसरा संस्करण–2008

मृत्युंजय (उपन्यास–असमिया)–वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, अनुवादक – डॉ0 कृष्णप्रसाद सिंह मागध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली संस्करण – 2003

इकाई 3 : **घासीराम कोतवाल** (नाटक–मराठी) – विजय तेन्दुलकर, अनुवादक – वसंत देव, राजकमल प्रका न, नई दिल्ली, पहली आवृत्ति– 2008

तीसरा प्राणी (कहानी संग्रह – ओड़िया) – मनोजदास, अनुवादक – श्रवण कुमार, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली प्रथम संस्करण–1992 (निर्धारित कहानियाँ– खोयी हुई टोपी का रहस्य , वापसी, वह नाजुक पौधा, जुड़वाँ, साक्षात्कार, वह भाम, तीसरा प्राणी, मन का ज्ञान, वीराना, सहानुभूति = कुल दस)

इकाई 4 : **पाठ्य विषय** – भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता।

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकार** – 1. वीरे   लिंगम् पंतुलु (तेलुगु) 2. गिरी   कर्नाड (कन्नड़), 3. के.जी. भांकर पिल्लै (मलयालम), 4. कन्हैयालाल माणिकलाल मुं ी (गुजराती), 5. पा   (पंजाबी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (ाब्द सीमा 30 भब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में से निर्धारित पाठ्य विषयों तथा रचनाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्र न (ाब्द सीमा 250 भाब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन, चार में निर्धारित कृतियों/कृतिकारों/पाठ्य विषयों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्र न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (ाब्द सीमा 500 भब्द) 3 X15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें –

भारतीय साहित्य – भोला ाकर व्यास
भारतीय साहित्य – (सं0) नगेन्द्र
भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – रामविलास भार्मा
भारतीय साहित्य – रामछबीला त्रिपाठी
भारतीय साहित्य – मूलचन्द गौतम
तमिल साहित्य : एक झाँकी – एम. भेषन्
तमिल नवजागरण और सुब्रह्मण्य भारती – एम. भोषन

कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली (अनुवादक) सिद्ध गोपाल
मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर (अनुवादक) सी.आर. नानप्पा
बंगला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन (अनुवादक) – निर्मला जैन

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2023 (वार्षिक)
पंचम प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र
(ग) नव विमश

इकाई 1 : **सैद्धान्तिक पक्ष** – विम र्श की अवधारणा, स्वरूप एवं विकास, स्त्री विम र्श : अर्थ एवं स्वरूप, श्रृंखला की कड़ियाँ– महादेवी वर्मा

प्रस्तावित कहानीकार :– पाँच कहानियाँ

1. मृदुला सिन्हा – दत्तक पिता
2. मालती जा ेी – पिता
3. सूर्यबाला– दूज का टीका
4. उषा किरण खान – आकांक्षाओं के द्वीप
5. चंद्रकांता – काली बर्फ ।

इकाई 2 : **दलित साहित्य** : अवधारणा और इतिहास , दलित साहित्य का सौन्दर्य भास्त्रीय पक्ष, 'जूठन' – ओमप्रका ा वाल्मीकि भाग – 1 , राधाकृष्ण प्रका ान, नई दिल्ली ।

कहानियाँ : 'साजि ा'–सूरजपाल चौहान, 'अपना गाँव'–मोहनदास नैमि ाराय, 'खेत' – रत्नकुमार सांभरिया, 'सिलिया'–सु ीला टाकभोरे, अस्थियों के अक्षर – श्यौराज सिंह बेचैन (कुल 05) ।

इकाई 3: **आदिवासी विमर्श** : अवधारणा और स्वरूप, आदिवासी द र्शन एवं वैचारिकता, जंगल–जंगल जलियांवाला – हरिराम मीणा (यात्रावृत्तान्त), ि ाल्पायन प्रका ान, दिल्ली

कविताएँ: 'धरोहर' – प्रभात, 'चुड़का सोरेन से' – निर्मला पुतुल, 'आ मेरे बिरसा' – भुजंग मेश्राम ,'अघोषित उलगुलान' –अनुज लुगुन, 'हरियल जंगल में' –वाहरू सोनवणे (कुल 05)

इकाई 4 : **प्रवासी साहित्य** : अवधारणा, स्वरूप एवं विकास।

प्रवासी लेखन का आरंभ एवं लेखन की प्रवृतियाँ

'लाल पसीना' अभिमन्यु अनत (राजकमल प्रका ान नई दिल्ली)

कहानियाँ : सूरज क्यों निकलता है– सुधा ओम ढींगरा (अमेरिका)

सुबह साढ़े सात बजे से पहले – सुमन कुमार घई (कनाडा)

फुटबाल – पूर्णिमा बर्मन (खाड़ी दे ा)

हाईवे 47 – अर्चना पेन्यूली (यूरोप)

कब्र का मुनाफ़ा – तेजेंद्र भर्मा (ब्रिटेन) (कुल पाँच)

दे ान्तर, प्रवासी भारतीयों की कहानियाँ, कहानियाँ, सं. तेजेंद्र भार्मा, हिन्दी अकादमी, दिल्ली

इकाई 5 : द्रुत पाठ : किसान–विम र्श, वृद्ध–विम र्श, विकलांग–विम र्श, विस्थापन–विम र्श, अल्पसंख्यक–विम र्श एवं किन्नर–विम र्श

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (ाब्द सीमा 30 भब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक,दो,तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित पाठ्य विषयों तथा रचनाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्र न (भाब्द सीमा 250 भब्द)5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक,दो, तीन, चार में निर्धारित कृतियों/कृतिकारों/ पाठ्य विषयों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्र न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (ब्द सीमा 500 भब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें –

स्त्री का मानचित्र : अनामिका

साहित्य के प्रतिरोधी स्वर : कि ोरीलाल रैगर

स्त्री विम र्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य – के.एम. मालती

दलित साहित्य का सौन्दर्य भास्त्र : ओमप्रका ा वाल्मीकि

दलित साहित्य का सौन्दर्य भास्त्र : भारण कुमार लिम्बाले

दलित साहित्य आंदोलन : चन्द्र कुमार बरठे

आधुनिक भारत का दलित आंदोलन : आर. चन्द्रा तथा कन्हैयालाल चन्चारिक

आदिवासी कौन – रमणिका गुप्ता
आदिवासी संघर्ष गाथा – विनोद कुमार
साहित्य चिंतन के विविध पक्ष – श्रवण कुमार मीणा
विश्व हिन्दी रचना – सं0 कमल कि ाोर गोयनका
विश्व भाषा हिन्दी – महावीरसरन जैन